Page-1

BA III, Social Sci

Paper II

Topic- Role of public opinion in Democracy

प्रजातंत्र में जनमत का बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होता है प्रजातंत्र की सफलता सुदृढ़ता जनमत पर ही निर्भर करता है जो निम्नलिखित है।

(1) जनमत तथा प्रजातांत्रिक नेतृत्व - प्रजातंत्र में जनमत जनता की आस्था के अनुरूप होता है जिस प्रकार आत्मा शरीर के लिए महत्वपूर्ण होता है उसी प्रकार से जबतक जनमत का समर्थन प्रजातांत्रिक नेतृत्व को प्राप्त रहता है, उसका सशक्त बना रहता है प्रजातंत्र में बिना जनमत के किसी व्यक्ति के नेता पद पर बना रहना बिल्कुल ही असंभव बात है। 1975-76 की आपातकालीन अवधि के दौरान श्रीमती इन्दिरा गाँधी सरकार द्वारा की गई व्यापक ज्यादतियों से जब जनमत इन्दिरा गाँधी के विरुद्ध में हो गया तो किसी परिस्थिति में उसका नेतृत्व अधिकदिन तक नहीं चल सका और 1977 के आम चुनाव में न केवल इनकी पार्टी की ही बल्कि स्वयं इनकी भी करारी हार हुई। अतः यह स्पष्ट है कि जनमत प्रजातंत्र में मूल रूप से कार्य करती है।

(2) जनमत एवं सरकारी प्रशासन - इसका महत्व सरकारी प्रशासन में भी काफी है। जनमत द्वारा सरकार को अपनी नीतियों एवं कार्यक्रमों के बारे में समुचित ज्ञान मिलता है। यदि किसी नीति या कार्यक्रम के प्रति जनमत पक्ष में होता है तो सरकार उसे या और भी अधिक बल प्रदान

है तथा उसे मजबूत करने की कोशिश करती है। उसी तरह से यदि सरकार महसूस करती है कि मौजूदा नीति का कार्यक्रम के विषय में जनमत सही नहीं रहा है तो उस नीति का कार्यक्रम में वह तब्दीली लाती है और उसे एक नया रूप देकर फिर जनता की प्रतिक्रिया का इंतजार करती है इससे सरकार को शासन करने में मदद मिलती है। गिन्सबर्ग (Ginsberg, 1934) ने सरकार की सफलतापूर्वक चलाने में जनमत के महत्व को स्वीकार करते हुये कहा है कि जनता अपने मत के माध्यम से सरकार के कार्यों की समीक्षा तथा सरकार के गलत इरादों पर लगाम लगाने का कार्य करती है। अतः सरकार को शासन चलाने हेतु कुछ हद तक जनमत पर निर्भर करना पड़ता है।

(5) जनमत एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध — जनमत का महत्व अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध को बनाने में इसके भी महत्वपूर्ण स्थान है जब किसी विषय या समस्या पर जब अधिकांश राष्ट्रों का एक मत होता तथा उससे सबको लाभ प्रतीत दिखता है तो उन राष्ट्रों के व्यक्तियों के बीच जनमत तेजी से बनता है और फिर भी कभी राष्ट्र एक दूसरे का मित्र बन जाता है। इस प्रकार स्वस्थ जनमत द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय संबंध भी काफी सुदृढ़ मैत्रीपूर्ण बन जाता है।

(6) जनमत एवं जनता की सर्वांगीण प्रगति — जनमत से जनता का सर्वोच्च विकास होता है। जनमत से आम जनता के

आर्थिक असमानता दिखाई पड़ती है और उसके सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता बाकी रह जाती है फलस्वरूप वह सामाजिक कल्याण के कार्यों में आर्थिक सुरक्षा एवं सुविधा के साथ भाग लेता है, या, इसका हमारा देश अकेला जनता अपने अधिकारों, अधिकारों एवं मांगों के प्रति भी काफी जागरूक हो जाती है और सरकार देश अधिकारों को पूरा करवाने की कोशिश करती है।

(5) जनमत एवं जन सूचना- जनमत की गहन अध्ययन भी काफी अधिक है क्योंकि इसके द्वारा समाज या राज्य के व्यक्तियों के अलग लोगों एवं व्यक्तियों के गुणों तथा विचारों के बारे में सूचना मिलती है। किसी विषय या वस्तु के प्रति जब तक व्यक्ति जानकारी के बारे में जान नहीं लेता है तब तक वह अंधकार में रहता है वह गलत धारणाओं एवं रूढ़िवादिताओं (Stereotypes) से दब कुचला पाता है। अंधकार के कारण, भ्रष्टाचार, अपराध, हिंसा आदि कमी कमी उत्पन्न भी हो जाता है। जनमत व्यक्तियों में उचित सूचना देकर इस अंधकार एवं गलत धारणाओं को दूर करता है।

अतः उपर्युक्त जनमत की भूमिका प्रजातंत्र के लिए महत्वपूर्ण होता है।

Kumar Pitu
Maharaja College, Ara